ई-विवरणिका

कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी हिंदी तथा भाषाविज्ञान विद्यापीठ (के.एम.आई.)

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय (पूर्ववर्ती: आगरा विश्वविद्यालय), आगरा

निदेशक: प्रो. प्रदीप श्रीधर

पता: कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी हिंदी तथा भाषाविज्ञान विद्यापीठ (के.एम.आई.), डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, पालीवाल परिसर, आगरा-282004

ईमेल : pks22july@gmail.com संपर्क सूत्र: +91-9837350986

1. **संस्थान के बारे में:** कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी हिंदी तथा भाषाविज्ञान विद्यापीठ, देश का अत्यंत उत्कृष्ट कोटि का एक प्रतिष्ठित अनुसंधान केंद्र है। इस संस्थान की प्रसिद्धि संपूर्ण देश में है। यह डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय (पूर्ववर्ती: आगरा विश्वविद्यालय) में स्थापित प्रथम संस्थान हैं। जिसकी स्थापना के पीछे मुख्य प्रेरणा तत्कालीन राज्यपाल उ.प्र. एवं गुजराती साहित्य के लब्ध प्रतिष्ठित रचनाकार एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी जी की थी थी। मुंशी जी के नाम से ही 14 दिसंबर 1953 को विद्यापीठ की स्थापना हुई। विद्यापीठ की स्थापना के पीछे मुंशी जी की परिकल्पना यह थी कि इस शोध केंद्र के माध्यम से भारतीय भाषाओं में शोध एवं अन्य भाषाओं से हिंदी के तुलनात्मक अध्ययन को दिशा मिल सकेगी। प्रो. विश्वनाथ प्रसाद, प्रो. माता प्रसाद, प्रो. रामविलास शर्मा एवं प्रो. विद्यानिवास मिश्र जैसे लब्ध प्रतिष्ठित विद्वानों ने विद्यापीठ के निदेशक पद को सुशोभित किया है। इस संस्थान के अंतर्गत आधुनिक भारतीय भाषा विभाग, भाषाविज्ञान विभाग, संस्कृत विभाग, विदेशी भाषा विभाग एवं पत्रकारिता विभाग आते हैं। वर्तमान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत इस संस्थान के सभी विषयों को भाषा संकाय (फैकल्टी ऑफ लैंग्वेज) के अंतर्गत विद्यार्थियों को भाषाविज्ञान, हिंदी, संस्कृत, फ्रेंच, जर्मन और रसियन विषयों की स्नातक, डिप्लोमा, एवं एम.ए. स्तर की पढ़ाई कराई जाती है। जबकि हिंदी तथा भाषाविज्ञान विषय में पी-एच. डी. एवं डी-लिट् कराई जाती है। वर्तमान में विद्यापीठ में पांच विभाग (1. आधुनिक भारतीय भाषा विभाग 2. भाषाविज्ञान विभाग 3. संस्कृत विभाग 4. विदेशी भाषा विभाग 5. जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग) संचालित हैं।

2. उद्देश्य एवं लक्ष्य: संस्थान की स्थापना हिंदी, भाषाविज्ञान तथा अन्य भारतीय भाषाओं के उच्च स्तरीय शोध एवं अनुसंधान केंद्र के रूप में हुई। इसका उद्देश्य हिंदी, भाषाविज्ञान तथा अन्य भारतीय भाषाओं का विकास करना था। इस दृष्टि से इस संस्थान में पीएचडी एवं डिलीट के कोर्स प्रारंभ हुए। आगे चलकर एम.फिल. जैसे कोर्स भी शुरू किए गए। देश की आवश्यकताओं के अनुरूप इस संस्थान में विदेशी भाषा पाठ्यक्रम भी प्रारंभ हुए। विद्यापीठ की स्थापना का लक्ष्य इस प्रकार हैं- भारतीय भाषाओं एवं साहित्य के संवर्धन हेतु शोध केंद्र के रूप में विकास, तुलनात्मक साहित्यिक अनुसंधान को प्रोत्साहित करना, यत्र-तत्र विखरी पड़ी हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं की पाण्डुलिपियों का संरक्षण एवं उन पर अनुसंधान करना, हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं के तकनीकी विकास एवं उनमें शोध कार्यों को डिजिटल रूप में उपलब्ध कराना तथा विदेशी भाषाओं के शिक्षण हिंदी माध्यम से कराना विद्यापीठ के प्रमुख लक्ष्य हैं।

3. विभागानुसार विवरण:

आधुनिक भारतीय भाषा विभाग (Department of Modern Indian Languages)

1 विभाग के बारे में : इस विभाग की स्थापना 1956 में हुई थी। इस संस्थान ने देश को बहुत बड़े-बड़े विद्वान दिए हैं। जैसे प्रोफेसर सुब्बाराव, प्रोफ़ेसर केलकर जी प्रोफेसर के.पी.द्विवेदी आदि। इस संस्थान की निदेशक के पद पर देश की प्रतिष्ठित विद्वान विद्वानों ने सुशोभित किया है। जैसे प्रोफेसर विश्वनाथ प्रसाद प्रोफ़ेसर माताप्रसाद गुप्त, डॉ रामविलास शर्मा, प्रोफेसर विद्यानिवास मिश्र, प्रोफ़ेसर गणपति चंद्रगुप्त, प्रोफ़ेसर गणपति चंद्रगुप्त आदि।

2. उद्देश्य एवं लक्ष्य: भारतीय भाषाओं एवं साहित्य के संवर्धन हेतु शोध केंद्र के रूप में विकास, तुलनात्मक साहित्यिक अनुसंधान को प्रोत्साहित करना, यत्र-तत्र विखरी पड़ी हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं की पाण्डुलिपियों का संरक्षण एवं उन पर अनुसंधान करना।

3. पाठ्यक्रम विवरण :

क्रम सं.	पाठ्यक्रम का नाम	शैक्षिक योग्यता	अवधि	ट्यूशन शुल्क प्रति सेमेस्टर	परीक्षा शुल्क प्रति सेमेस्टर	सीटें
1.	बी. ए. भाषा संकाय (हिंदी)	इण्टमीडिएट कम से कम 45% अंको के साथ उत्तीर्ण	तीन वर्ष (6 सेमेस्टर)	रु. 6300	रु. 800	20
2.	एम. ए. हिंदी	स्नातक कम से कम 45% अंको के साथ उत्तीर्ण	दो वर्ष (4 सेमेस्टर)	रु. 3235	रु. 2070	30
3.	पी-एच. डी. हिंदी	परास्नातक उत्तीर्ण 55% (सामान्य/ ओबीसी), 50% (एस.सी./एस.टी.) अंको के साथ उत्तीर्ण	यूजीसी 2018 के नियम के अनुरूप	विश्वविद्यालय नियमों के अनुरूप	-	उपलब्धता के अनुरूप
4.	डी. लिट् हिंदी	हिंदी में पी-एच. डी. उपाधि प्राप्त	विश्वविद्यालय नियमों के अनुरूप	रु. 4000	-	-

4 सुविधाएं : इस विभाग में तीन स्मार्टक्लास रूम, एक सेमीनार हॉल और सभी शिक्षकों (2 प्रोफेसर, 3 अतिथि प्रवकाताओं) के अलग-अलग कमरें हैं।

5. उपलब्धियां- विभाग द्वारा पाण्डुलिपि संरक्षण का कार्य किया जा रहा है। इस वर्ष इस विभाग के 4 विद्यार्थी नेट और 2 जे. आर. एफ. उत्तीर्ण हुए। इसके अलावा विभाग द्वारा पिछले पांच साल में अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों का आयोजन कराया गया है।

6. चयन एवं नौकरी के अवसर : हिंदी विश्व की तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है। इसका शिक्षण भारत के अतिरिक्त दुनियां के सौ से अधिक देशों में होता है। इसके अलावा इंटरनेट पर कंटेंट निर्माण में हिंदी में अत्यधिक आवश्यकता है। अतः हिंदी भाषा शिक्षण में रोजगार की अपार सम्भावनाएं हैं। इसके अलावा भारत में भी माध्यमिक स्तर से लेकर उच्च स्तर तक सरकारी शिक्षकों के नौकरी की भर्तियां होती रहती है। इसके अलावा हिंदी में ई-कंटेंट निर्माण, अनुवाद मौलिक लेखन जैसे स्वतंत्र कार्य करके भी स्वतंत्र रोजगार प्राप्त किया जा सकता है।

7. उपलब्धियां- विभाग द्वारा समय-समय पर विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहते हैं जिनकी कुछ छवियां इस प्रकार है-

भारतीय भाषा उत्सव का आयोजन भारतीय भाषा उत्सव का आयोजन

हिंदी तथा भाषाविज्ञान विभाग, के.एम.आई. द्वारा दिनांक 20 मई 2023

को आयोजित कहानी उत्सव एवं प्रतियोगिता में पद्म श्री प्रो. उषा यादव का स्वागत करते हुए

Department of Linguistics (भाषाविज्ञान विभाग):

1. About the Department: Established in 1956, one of the founding departments of the University. The research and study at the University Campus was initiated with the formation of the Department of Linguistics in the K.M. Institute. The department is also the second-oldest department of Linguistics after Deccan College, Pune to be established in independent India.

2. Objectives and Aim: Primarily objective of the department has worked incessantly towards the promotion of Indian languages and Linguistics across the globe. And the second objective is the development of language resources and technologies for low-resource languages of India, language documentation and description and related areas.

3. Course Details :

Sr. No.	Course Offered by the Department of Linguistics	No. of Seats	Eligibility for Admission	Duration of Course	Admission on the Basis of	Tuition Fee	Exam Fee Per Semester
1	B. A. Faculty of Language (Linguistics)	20	Intermediate in any discipline with 45%	6 Semesters (Three Years)	10+2 Merit/ Entrance Test	Rs. 6300	Rs. 800
2	Diploma in Linguistics	20	Graduation in any discipline with 45%	2 Semesters (One Year)	Graduation Merit/ Entrance Test	Rs. 3235	Rs. 2070
3	M.A. in Linguistics	30	Graduation in any discipline with 45%	4 Semesters (two Years)	Graduation Merit/ Entrance Test	Rs. 3235	Rs. 2070
4	Ph. D. in Linguistics	06	M.A. in Linguistics/Applied Linguistics with 55% (for General & OBC), 50% (for SC/ST)	As per UGC rules	Ph. D. entrance test	As per University norms	-
5	D. Litt. in Linguistics	-	Ph. D. in Linguistics/applied Linguistics	As per University norms	As per University norms	4000 /-	-

4. Facilities: The department of Linguistics has its own computer lab (Panini Lab) and a recording room for research and three smart classes and faculty room for all faculties. There are four permanent faculties in the department.

5. Academic Achievements of the Department:

- All the courses run under **CBCS** pattern
- **National Education Policy** (NEP)-2020 implemented in undergraduate and post-graduation Courses.

Teaching and Research Activities: Thrust Areas- NLP, Language Technology, Cognitive Linguistics, SLA, Pragmatics and Sociolinguistics, Language Description and Documentation, Translation and Semantics.

- **Sponsored Research Projects-** Total - **2**, Total Amount - **~2 Crores**
- **Industrial Consultancies-** Total - **2**, Total Amount - **~25 Lakhs**
- **Research Publications-** Total**- 54**
- **Total events organised** - over **30**
- **MoUs and Collaborations-** Total: **~20 incl.**

6. Placement & Job Opportunities: All the alumnae of the department (last five years) either doing Ph. D or working in private industry across the top institution in Indian and out of India. As we know that more than 1500 hundred languages spoken in India. Government of India offers a lot of project to promote Indian languages in NEP-2020. So there are a lot of opportunities in study of Indian Languages. Some of the renounced institutions like; CIIL Mysore, 8 Kendriya Hindi Santhan all over the India are provide the job for linguist, besides this major IT institutions like; Google, Microsoft, Sarathi.ai, PanLingua etc. are providing job to Linguist and Computational Linguist.

7. Activities with Photos :

विभागीय कार्यक्रम

11.11.2022 से 17.11.2022 तक 'भारतीय ज्ञान परंपरा' पर सात दिवसीय शिक्षक उन्नयन कार्यक्रम का आयोजन

शिक्षक उन्नयन कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र प्रदान करती हुई कुलपति प्रो. आशु रानी

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस' के उपलक्ष में दिनांक 21.02.2022 से 23.02.2022 तक तीन दिवसीय 'भारतीय मातृभाषाओं हेतु भाषा तकनीक' कार्यक्रम का आयोजन।

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर आयोजित प्रदर्शनी

विदेशी भाषा विभाग (Department of Foreign Languages)

1. **About the Department:** The Department of Foreign Languages is working continuously since 1958 in regular mode. The Department offers three languages (French, Russian, German)

2. **Objectives and Aim:**

Objective: To contribute India and abroad through excellence in foreign language education, to serve as a valuable resource in academics and other fields. The aim of the department to prepare students of concerned language and students for academics, translation, interpretation, tourism industry and different MNC's in India and abroad.

The overall Aim of the department of foreign languages is:

1. To help students to become proficient listener, speaker, reader, and writer in the target language.
2. To Increase students' proficiency of foreign languages such as French, Russian and German and their cultures.
3. To orient the foreign language learner to make connection between their work and other cultures and civilizations.
4. To strengthen the student's professional opportunities by fostering the notion of the multi-lingual intellectual as a model for successes in the global society of the 21th century.

3. Course Details:

Sr. No.	Course Offered by the Department of Foreign Languages	No. of Seats	Eligibility for Admission	Duration of Course	Admission on the Basis of	Tuition Fee	Exam Fee Per Semester
1	Certificate Course in French **[CPL French]**	50	Intermediate	2 Semesters (One Year)	10+2 Merit/ Entrance Test	5500 /-	2070 /-
2	Certificate Course in Russian **[CPL Russian]**	50	Intermediate	2 Semesters (One Year)	10+2 Merit/ Entrance Test	5500 /-	2070 /-
3	Certificate Course in German **[CPL German]**	50	Intermediate	2 Semesters (One Year)	10+2 Merit/ Entrance Test	5500 /-	2070 /-
4	Diploma Course in French **[DPL French]**	30	CPL French	2 Semesters (One Year)	Entrance test in French	6500 /-	2070 /-
5	Diploma Course in Russian **[DPL Russian]**	30	CPL Russian	2 Semesters (One Year)	Entrance test in Russian	6500 /-	2070 /-
6	Diploma Course in German **[DPL German]**	30	CPL German	2 Semesters (One Year)	Entrance test in German	6500 /-	2070 /-

7	Advanced Diploma Course in French **[ADPL French]**	15	DPL French	2 Semesters (One Year)	Entrance test in French	7500 /-	2070 /-
8	Advanced Diploma Course in Russian **[ADPL Russian]**	15	DPL Russian	2 Semesters (One Year)	Entrance test in Russian	7500 /-	2070 /-
9	Advanced Diploma Course in Russian **[ADPL German]**	15	DPL German	2 Semesters (One Year)	Entrance test in German	7500 /-	2070 /-
10	Master of Arts in French **[M.A.- French] (Self-Finance-Scheme)**	15	**1.**B.A. (Hons.) In French. **Or2.** Graduate In Any Discipline + Advanced Diploma In French With Minimum 45% Marks. **Or** **3.** Graduate In Any Discipline + Minimum B2 Level From Alliance Française.	4 Semesters (Two Year)	Entrance test in French	12500 /- per semester	2070 /-

4. **Facilities with photos:** The department of foreign languages has its one computer lab and two smart classes and one faculty room.
5. **Achievements:** Department has organized successfully a 3-day international conference, online webinar, teachers training programme, started M.A. French Course, upgrade all syllabus according to CBCS pattern. offer languages (French, German and Russian) for B.A. students according to NEP.
6. **Placement & Job Opportunities:** After Successfully completed the foreign languages course the students get jobs in the field of academics, translation, interpretation, tourism industry and different BPOs & MNC's in India and abroad etc. Department helps students in getting jobs.

7. **Activities with photos:**

(1) Foreigner's visit in the department

(2) Teachers & Students visit monuments to interact with foreign tourists.

(3) Exposure of foreign language short movies with subtitles & discuss on it.

(4) Alumni meet / Get together

(1)

(2)

(3)

(4)

संस्कृत विभाग (Department of Sanskrit)

1 विभाग के बारे में : इस विभाग की स्थापना सन् 1956 में हुई थी। जिसके अंतर्गत बी. ए. एवं एम. ए. संस्कृत की पढ़ाई होती है। वर्तमान में इस विभाग मे दो अतिथि व्याख्याता कार्यरत हैं।

2. उद्देश्य एवं लक्ष्य: इस विभाग का उद्देश्य संस्कृत भाषा एवं साहित्य के संवर्धन हेतु शोध केंद्र के रूप में विकास, तुलनात्मक साहित्यिक अनुसंधान को प्रोत्साहित करना, विभाग का लक्ष्य भाषा में व्याप्त ज्ञान को आम जन तक पहुंचाना है। साथ ही साथ संस्कृत संभाषण द्वारा इस विषय के बोलने वालों की संख्या में वृद्धि करना है। तथा संस्कृत भाषा शिक्षण को बढ़ावा देना है।

3. पाठ्यक्रम विवरण :

क्रम सं.	पाठ्यक्रम का नाम	शैक्षिक योग्यता	अवधि	ट्यूशन शुल्क	परीक्षा शुल्क	सीटें
1.	बी. ए. भाषा संकाय (संस्कृत)	इण्टमीडिएट कम से कम 45% अंको के साथ उत्तीर्ण	तीन वर्ष (6 सेमेस्टर)	रु. 6300	रु. 800	20
2.	एम. ए. संस्कृत	स्नातक कम से कम 45% अंको के साथ उत्तीर्ण	दो वर्ष (4 सेमेस्टर)	रु. 3235	रु. 2070	30

4 सुविधाएं : इस विभाग में एक स्मार्टक्लास रूम, एक सेमीनार हॉल और सभी शिक्षकों (2 अतिथि प्रवकाताओं) के अलग-अलग कमरें हैं।

5. उपलब्धियां- संस्कृत भाषा में स्नातक स्तर की पढ़ाई की शुरुआत राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत सत्र 2021-22 से की गई है। साथ ही साथ एम. ए. संस्कृत की भी पढ़ाई सी.बी.सी.एस. पैटर्न पर कराई जाती है। जो सत्र 2023-23 से राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप कर दी जाएगी।

6. चयन एवं नौकरी के अवसर : संस्कृत एक क्लासिकल भाषा है। इस भाषा के धातु रूप ज्यादातर भारतीय भाषाओं में मिलते हैं। भारतीय परंपरा एवं शात्रों का ज्ञान हमें संस्कृत भाषा के माध्यम से ही प्राप्त होता है। संस्कृत भाषावैज्ञानिक अध्ययन की दृष्टि से महत्वपूर्ण भाषा है। इसके अध्ययन से विद्यार्थियों को भाषा शिक्षण में रोजगार की अपार सम्भावनाएं हैं। इसके अलावा भारत में माध्यमिक स्तर से लेकर उच्च स्तर तक सरकारी शिक्षकों के नौकरी की भर्तियां होती रहती है। इसके अलावा संकृत में ई-कंटेंट निर्माण, अनुवाद मौलिक लेखन जैसे स्वतंत्र कार्य करके भी स्वतंत्र रोजगार प्राप्त किया जा सकता है।

पत्रकारिता विभाग (Department of Mass Communication)

1 विभाग के बारे में : कन्हैयालाल मानिकलाल मुंशी हिंदी तथा भाषाविज्ञान विद्यापीठ में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग भी संचालित है। संस्थान कई दशकों से निष्ठापूर्वक अपनी सेवाएं दे रहा है। यहां से पढ़कर स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर के दर्जनों संपादक और सैकड़ो पत्रकार निकले हैं और जो वर्तमान में भी समाज को ताजा तरीन खबरों का मार्गदर्शन कर रहे हैं।

2. उद्देश्य एवं लक्ष्य: पत्रकारिता का क्षेत्र अत्यंत व्यापक है। इसे जनता की संसद कहा जाता है। जिसका अधिवेशन कभी बंद नहीं होता। जिस प्रकार संसद में विभिन्न प्रकार की समस्याओं पर विचार-विमर्श किया जाता है, सरकार का ध्यानाकर्षण किया जाता है, उसी प्रकार पत्रकारिता विविध जन-समस्याओं से जुड़ी होती है, समस्याओं को प्रशासन के सम्मुख प्रस्तुत कर उस पर रचनात्मक बहस को भी प्रोत्साहित करती हैं। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य ऐसे विद्यार्थियों को तैयार करना है, जो ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ हों। साथ ही राष्ट्र और समाज को तरक्की के पथ पर ले जाएं।

3. पाठ्यक्रम विवरण :

क्रम सं.	पाठ्यक्रम का नाम	शैक्षिक योग्यता	अवधि	ट्यूशन शुल्क	परीक्षा शुल्क	सीटें
1.	बी. ए. पत्रकारिता	इण्टमीडिएट 45% अंको के साथ उत्तीर्ण	तीन वर्ष (6 सेमेस्टर)	रु. 6300	रु. 800	20
2.	पी. जी. डी. एम. सी.	स्नातक 45% अंको के साथ उत्तीर्ण	एक वर्ष (2 सेमेस्टर)	रु. 5175	रु. 2070	20

4 सुविधाएं : विभाग में संचालित पाठ्यक्रमों में उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के साथ विद्यार्थियों को इंडस्ट्री से जुड़ा अनुभव कराया जाता है। विद्यापीठ के समृद्ध वातावरण में विद्यार्थियों को समय-समय पर मीडिया इंडस्ट्री से जुड़े प्रमुख लोगों को बुलाकर व्याख्यान का आयोजन कराया जाता है।

5. उपलब्धियां- संस्थान से विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेशित विद्यार्थी देशभर के मीडिया संस्थानों में उच्च पदों पर पदस्थ हैं। पिछले दो सत्र से विभाग में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पदक भी दिए जाते हैं। इस वर्ष हुए दीक्षांत समारोह में विभाग के छात्र कर्नल मनीष कुमार को स्वर्ण पदक और छात्र नीरज अग्रवाल को रजत पदक प्राप्त हुआ।

6. चयन एवं नौकरी के अवसर : विभाग द्वारा विभिन्न मीडिया संस्थानों में विद्यार्थियों को कैंपस प्लेसमेंट के लिए भेजा जाता है। पिछले दिनों पाठ्यक्रम के सात विद्यार्थी अमर उजाला आगरा में संपन्न हुए कैंपस प्लेसमेंट टेस्ट में शामिल हुए। इसका परिणाम लंबित है। वर्मतान में संस्थान के कई विद्यार्थी कई मीडिया संस्थानों में संपादक से लेकर अन्य उच्च पदों पर आसीन हैं। कई विद्यार्थी अन्य संस्थानों में मीडिया सहायक व लीगल एडवाइजर की भूमिका निभा रहे हैं।